समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

एम. ए. संस्कृत, प्रथम सत्र

तृतीय पत्र : न्याय वैशेषिक (MSKTC 103) **कुल अंक 20**

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्न लगभग 1000-1500 शब्दों में अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment) 1 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 न्याय दर्शन का स्वरूप एवं महत्त्व बताईये।
प्र. 2 तर्कभाषा का सम्पूर्ण परिचय दीजिये।
प्र. 3 प्रमाण का विस्तृत विवेचन कीजिये।
प्र. 4 निमित्त कारण से आप क्या समझते हैं? उदाहरण सहित व्याख्या करें।

समनुदेशन(Assignment) 2 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 हेत्वाभास का साङ्गोपाङ्ग निरूपण कीजिये
प्र. 2 तर्कभाषा के अनुसार षड् सन्निकर्ष की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
प्र. 3 अनुमान प्रमाण का लक्षण बतलाकर उसके भेदों की व्याख्या करें।
प्र. 4 उपमान प्रमाण किसे कहते हैं? उसके भेदों का वर्णन करें।

समनुदेशन (Assignment) 3 **अंक 06** **(3X2)**

प्र. 1 तर्कभाषानुगुण प्रमेय का साङ्गोपाङ्ग विवेचन कीजिये।
प्र. 2 शब्द प्रमाण का विस्तृत विश्लेषण कीजिये।
प्र. 3 अर्थापत्ति प्रमाण पर प्रकाश डालते हुए इसके भेदों की विस्तृत चर्चा करें।
प्र. 4 निग्रहस्थान से क्या अभिप्राय है? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातकोत्तर संस्कृत प्रथम सत्र

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....